***hRegarding decline in groundwater level in Jalore Sirohi region of Rajasthan**

श्री लुम्बाराम चौधरी **(**जालौर**) :** सभापति महोदया, सबसे पहले मैं पूर्वी राजस्थान में पानी के लिए किए गए प्रयासों के लिए माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ ।

महोदया, मेरे लोक सभा क्षेत्र जालौर, सिरोही में कम वर्षा के होने से भू-जल स्तर में बहुत भारी गिरावट आई है, जिसके कारण दोनों जिले डार्क जोन घोषित हो चुके हैं । 1 सितम्बर, 1965 की खोसला कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार राजस्थान और गुजरात के बीच में बोर्डर पर कडाणा बांध बनना प्रस्तावित था । उस समय दिनांक 01 अक्टूबर, 1966 को राजस्थान एवं गुजरात सरकार के बीच माही जल बंटवारा समझौते के तहत कडाणा बांध का निर्माण हुआ था । समझौते के अनुसार गुजरात के कडाणा बांध से पानी, खेड़ा जिले को तब तक मिलेगा, जब तक नर्मदा का पानी नहीं आता है, चूँकि अब खेड़ा जिले को वर्ष 2005 से नर्मदा का पानी मिल रहा है और समझौते के अनुसार कडाणा बांध और माही बांध के पानी का एक तिहाई हिस्सा राजस्थान के जालौर, सिरोही के लिए तय हो चुका है । समझौते के अनुसार जालौर, सिरोही के हक का पानी वर्ष 2005 के बाद मिलना था, लेकिन वह अभी नहीं मिल रहा है ।

सभापति महोदया, कडाना बांध का पानी ओवर फ्लो होकर सुजलाम नहर के द्वारा बहकर समुद्र मे जा रहा है । राजस्थान सरकार ने वेपकॉस कम्पनी गुडगांव द्वारा सर्वे करवाया, जिसमें बताया गया है कि 37 सालों में 27 बार ओवरफलो होकर 1.30 लाख एमसीएम पानी समुद्र में बहकर बर्बाद हो गया है ।

सभापति महोदया, मैं आपके माध्यम से अनुरोध करना चाहता हूं कि जो पानी समुद्र में बह कर जा रहा है उसे रोकने हेतु राजस्थान सरकार और गुजरात सरकार की संयुक्त बैठक बुला कर, डीपीआर बनाकर कार्य को स्वीकृत किया जाए ।

सभापति महोदया, मेरे लोक सभा क्षेत्र में जवाई नदी सुमेरपुर, शिवगंज, आहोर, से सायला होते हुए बाडमेर तक जाती है । इस नदी के किनारे बसे सारे गांव पानी का इस्तेमाल पेय जल और सिंचाई के लिए करते है ।

जवाई बांध के निर्माण के बाद से लेकर अब तक जवाई नदी में प्रवाह नहीं होने से भूजल स्तर निरंतर गिरता जा रहा है । कई वर्ष पूर्व में अच्छी बरसात होने से सहयोगी नदियों से पानी मिला था । कई वर्षों से कम बरसात होने के कारण नदी में पानी नही आया है, इसी कारण नदी के किनारे के कुएं सूख गए हैं और बोरवेल का पानी 600 से 800 फुट नीचे चला गया है । नीचे से खारा पानी आने से भूमि दिन प्रति दिन खराब हो रही है । इसी कारण किसानों और जनता की भारी मांग है कि पुन: जवाई नदी के लिए पानी का हिस्सा तय कर जवाई नदी में डाल कर जवाई नदी को पुनर्जीवित किया जाए ।

माननीय सभापति **:** माननीय सदस्यगणों, पिछले कुछ दिनों में शून्य काल नहीं हो पाया था । अभी मैं केवल उन्हीं माननीय सदस्यों को अपनी बात रखने का अवसर दूंगी, जिनका नाम उन सूचियों में आया था । कृपया, आप अपनी बातों को एक-एक मिनट में रखें ।

माननीय सदस्य, सी किरण कुमार रेड्डी जी ।